प्रेस रिलीज

विकल्प संगम ने वैकल्पिक ऊर्जा विकास से संबंधित 'बोधगया घोषणा' जारी किया

एनर्जी डेमाक्रेसी के विजन स्टेटमेंट से लैस है यह घोषणापत्र

०७ मार्च, गया, पटना : बोधगया में आयोजित ऊर्जा विकल्प संगम में देश भर से आये संगठनों के प्रतिनिधियों ने पर्यावरणीय दृष्टि से सततशील और सामाजिक-आर्थिक समानता के आधार पर बिजली क्षेत्र में सार्थक बदलाव पर चर्चा की। बिहार को विकल्प संगम के महत्वपूर्ण स्थल के रूप में चुनने की वजह यह है कि यह राज्य अपने लोगों के लिए बिजली उपलब्ध कराने के लिए उत्सुक है और इसके लिए दूसरी राह पर चलना चाहता है, पर साथ ही यह परमाणु ऊर्जा और कोयला जनित ऊर्जा परियोजनाओं जैसे खतरनाक उपायों पर विचार कर रहा है, जिसके विपरीत प्रभाव और महंगे सौदे पर दुनिया भर में लगातार बहस जारी है।

इस बैठक में देश के विभिन्न इलाकों में काम कर रहे संगठनों जैसे एनएपीएम, पीएमएएनइ, प्रयास एनर्जी ग्रुप, कल्पवृक्ष, ग्रीनपीस इंडिया और ऑक्सफेम इंडिया से जुड़े करीब ७० लोगों ने शिरकत की। कार्यक्रम में मौजूद एनर्जी एक्सपर्ट्स, प्रैक्टिसनर्स और सिविल संगठनों ने वर्तमान विकास मॉडल से जुड़ी चुनौतियों और भावी विकल्पों पर विचार-विमर्श किया।

कल्पवृक्ष संस्था के संस्थापक सदस्य और विकल्प संगम के आयोजकों में से एक आशिष कोठारी ने इस दौरान कहा कि 'कोयला, परमाुण ऊर्जा चालित और विशाल केंद्रीकृत पनबिजली परियोजनाएं सततशील और समतामूलक ऊर्जा समाधान पेश करने में विफल रही हैं। इस संदर्भ में विकेंद्रीकृत अक्षय ऊर्जा जैसे वैकल्पिक उपायों की अपार संभावनाएं हैं, जो वास्तविक और विश्वसनीय जरूरतें पूरा कर सकते हैं। धरनई गांव के भ्रमण से यह बात जाहिर भी हुई है। धरनई सिविल सोसायटी संगठन और स्थानीय समुदाय के साझा प्रयासों से चलनेवाली एक सोलर आधारित माइक्रो ग्रिड परियोजना है, जो एक सफल गाथा के रूप में चर्चित हो रही है।'

अभी प्रोत्साहित किये जा रहे ग्रीन व क्लीन एनर्जी जैसे तकनीकी उपायों से आगे बढ़ते हुए विकल्प संगम ने एक ऐसा फ्रेमवर्क उपलब्ध कराया है, जो इस बात पर भी बल देता है कि भावी ऊर्जा परिदृश्य को सीमित प्राकृतिक संसाधन, त्वरित पर्यावरण क्षरण, बेतहाशा बढ़ती आबादी, ऊंची ऊर्जा निर्धनता और जलवायु परिवर्तनों आदि गंभीर विषयों पर गौर करने और इनका ठोस समाधान करने की जरूरत है। संगम ने एक अनिवार्य 'पैराडाइम शिफ्ट' की सिफारिश की है, जो सतशीलता, समानता और न्याय आदि सिद्धांतों पर आधारित है (इससे संबंधित पूरी जानकारी यहां संलग्न है)।

बोधगया घोषणापत्र बिहार के माननीय मुख्यमंत्री के समक्ष भेजा जायेगा, जो एक वैकल्पिक मॉडल को राज्य में लागू कर देश के सामने उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं। संगम के प्रतिभागियों ने कार्यक्रम से निकले संदेश को देश भर में लोगों तक पहुंचाने और नीति निर्माण प्रक्रिया में रचनात्मक रूप से जोड़ने का संकल्प लिया है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे :
मुन्ना झा, ग्रीनपीस ९१ ९५७०० ९९३००
Ramapati Kumar, CEED, 09845535414